



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यपालन द्वारा प्रकाशित

शिमला, गनिवार, २० फरवरी, १९९३/१ फाल्गुन, १९१४

हिमाचल प्रदेश सरकार

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, ९ फरवरी, १९९३

संख्या भाषा-४(३)१०/८०.—भारत के राष्ट्रपति, हिमाचल कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी को सहायता अनुदान देने के लिए निम्नलिखित नियमों को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

उद्देश्य.—हिमाचल प्रदेश कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला को हिमाचल सरकार द्वारा देय सहायतानुदान के नियमित विवरण एवं निरीक्षण हेतु नियम।

परिभाषा.—(१) अकादमी से अभिप्राय: हिमाचल कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी से है और इन नियमों, प्रत्येक शब्दों और शब्दावली का वही अर्थ होगा जो हिमाचल में प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या एल० सी० डी० ए० (९)-२/८४, दिनांक १० दिसम्बर, १९८४ द्वारा घोषित अकादमी के संविधान में परिभाषित है।

(२) विभाग से अभिप्राय: भाषा एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश, शिमला से होगा।

(3) सचिव (भाषा एवं संस्कृति) से प्रमिप्रार्थ: हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त सचिव (भाषा एवं संस्कृति) होगा।

नियम.—(1) अकादमी को प्रतिवर्ष सरकार की ओर से भाषा एवं संस्कृति विभाग की आवंटित बजट के लघु शीर्ष "हिमाचल प्रदेश कला संस्कृति तथा भाषा अकादमी को सहायतानुदान" में से देय होगा सहायतानुदान की राशि का निर्धारण अकादमी द्वारा पिछले वर्षों के वास्तविक व्यय व प्राणामी वर्ष के अनुमानित प्रस्तावित व्यय के आधार पर सचिव (भाषा एवं संस्कृति), हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किया जाएगा।

(2) सहायतानुदान की राशि अकादमी को विभाग के माध्यम से स्वीकृत करने में सचिव (भाषा एवं संस्कृति), हिमाचल प्रदेश सरकार सक्षम होंगे।

(3) अकादमी द्वारा विभाग से प्राप्त सहायतानुदान तथा प्रत्येक से प्राप्त अंतराशि किसी राष्ट्रीय/राज्यकारी बैंक में जमा रखी जाएगी।

(4) सहायतानुदान की राशि प्राप्ति की तिथि एक वर्ष के भीतर व्यय की जाएगी, यदि कोई राशि शेष रह जाएगी तो उसका प्रकरण विभाग के माध्यम से सचिव (भाषा एवं संस्कृति) को माप के लिए बड़ा देने में सक्षम होंगे।

(5) एक बार अनुदान देने के पश्चात् दूसरा आगामी अनुदान तभी स्वीकृत किया जावेगा यदि पूर्व अनुदान का उपयोगिता प्रमाणपत्र अकादमी सरकार को भेज दें। जो राशि उपयोग न की हो उस राशि को या तो व्यय सहित वापिस किया जाएगा अथवा आगामी अनुदान किस्त में समायोजित किया जाएगा।

(6) सहायतानुदान राशि पर किया गया व्यय मुख्य शीर्ष 2205 कला तथा संस्कृति, 102 कला तथा संस्कृति की तलाश, 01 हि० प्र० कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के सहायतानुदान में डाला जाएगा।

(7) अकादमी की प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा बजट में उपलब्ध राशि के अनुसार सहायतानुदान वर्ष में चार किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त कुल राशि प्रावर्धित बजट का 20 प्रतिशत, दूसरी किस्त 25 प्रतिशत, तीसरी किस्त 30 प्रतिशत तथा चौथी किस्त 25 प्रतिशत की दी जाएगी ताकि व्यय पूरा वित्त वर्ष में नियन्त्रित रहे।

लेखा.—(1) सहायतानुदान प्राप्त करने की तिथि एक वर्ष के भीतर अनुदान का उपयोगिता प्रमाणपत्र निर्धारित प्रपत्र पर अकादमी विभाग को भेजेगी। यदि सचिव (भाषा एवं संस्कृति) द्वारा अनुदान राशि व्यय करने की प्राप्ति छः मास बड़ा देने पर भी अकादमी अनुदान राशि व्यय न कर सक तो शेष राशि को या तो वापस सहित वापिस किया जाएगा अथवा अकादमी आगामी अनुदान किस्त में समायोजित की प्रस्ताव विभाग को भेजेगी। विभाग अनुदान की उपयोगिता के बारे में पूर्ण छानबीन करने के पश्चात् उपयोगिता प्रमाणपत्र पर प्रतिहस्ताक्षर करके सभी दस्तावेज लेखा विभाग/महोलेखाकार (ले० प्र०), वरिष्ठ उपा-महोलेखाकार (लेखा व हकदारी) शिमला के कार्यालय में भेजेंगे।

(2) अकादमी द्वारा लेखा परीक्षक और प्रभिलेख राज्य सरकार प्राधिकृत प्रतिनिधि एवं महोलेखाकार (लेखा परीक्षा), हि० प्र० के निरीक्षण के लिए उपलब्ध करवाया जावेगा।

(3) अकादमी के लेखों को विभाग के निदेशों के अन्तर्गत लेखा परीक्षा करवाई जाएगी तथा लेखा की रिपोर्ट राज्य सरकार, महोलेखाकार (लेखा परीक्षा) हि० प्र० को भेजी जाएगी।

(4) आन्तरिक लेखा परीक्षा मगरीय लेखा परीक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षा अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

(5) पूर्ण अनुदान की लेखा परीक्षा महालेखाकार (लेखा परीक्षा), हिमाचल प्रदेश द्वारा की जाएगी।

कार्यक्रम तथा वितरण. — (1) विभाग से सहायतानुदान प्रकादमी अपने संविधान की धारा 5 में निर्धारित उद्देश्यों के लिए प्रयोग में लाएगी।

(2) विभाग से प्राप्त सहायतानुदान की प्राप्त वित्तवृत्ति में प्रकादमी अपने उद्देश्यों के प्रतिपूर्ति में परिसम्पत्ति प्रणित कर सकती है।

(3) प्रकादमी प्रतिवर्ष चार बार यथातु जुनई, अक्तूबर, फरवरी तथा अप्रैल में कार्यक्रमों और लेखों का विवरण विभाग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश सरकार को भेजेगी।

(4) अनुदान में से प्राप्त की गई अथवा परिसम्पत्ति पर राज्य सरकार की प्रभुसत्ता रहेगी। प्रकादमी अगर इन अनुदान से कोई भी अथवा परिसम्पत्ति अर्जित करेगी तो उसकी सूचना विभाग को देनी होगी और पूर्व लिखित अनुमति के बिना नि:ठाई/बेची बट्टे खाते में नहीं डाली जाएगी।

(5) सहायतानुदान की राशि प्रकादमी के वार्षिक कार्यक्रमों और प्रगति के दृष्टिगत विभाग के सौचित्य अनुमोदन के पश्चात् प्रदान की जाएगी।

(6) निदेशक, भाषा एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश या उस द्वारा प्राधिकृत अधिकारी समय-समय पर प्रकादमी का निरीक्षण करने में सक्षम होंगे।

(7) प्रकादमी वार्षिक लेखा की प्रतिलिपि प्रति वर्ष विभाग/सरकार को प्रेषित करेगी।

साक्षर/साक्षर

हस्ताक्षरित/-

विशेष सचिव (भाषा एवं संस्कृति)।

